SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-7(TERM-1)

Grade - 4

Subject: हिंदी

Prepared by: Vrushali kokane **LESSON-7 चार दोस्त**

व्याकरण - संवाद लेखन गिनती १ से ५० तक (Revision)

SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-8(TERM-2)

Grade - 4

Subject: हिंदी

Prepared by: Vrushali kokane **LESSON-8 आशा ,**
व्याकरण- सर्वनाम

प्रश्न १) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक मे लिखिए।

प्रश्न २) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क) आशा - भरोसा

वाकय- माँ ने रोहन से कहा मुझे आशा है की तुम अच्छे व्यक्ति बनोगे।

ख) पहरा - निगरानी

वाक्य- राजा ने कुँए पर पहरा लगा दिया था।

प्रश्न ३) खाली स्थान भरिए।

क) चारों बहनों के नाम भूख, प्यास, नींद और **आशा** था।

ख) भूख ने घर में पड़े **बासी टुकड़े** खाए।

प्रश्न ४) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. राजा ने कहाँ पहरे बिठाने को कहा?
उत्तर- राजा ने कुएँ-तालाबों पर पहरे बिठाने को कहा।

2. किसके लिए लोग पलंग बिछवाते हैं?
उत्तर- नींद के लिए लोग पलंग बिछवाते हैं।

3. कुम्हार ने सफलता का राज क्या बतलाया?
उत्तर- कुम्हार ने सफलता का राज आशा बतलाया।

प्रश्न ४) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. चारों बहनों में किस बात के लिए लड़ाई हो रही थी?
उत्तर- चारों बहनों में स्वयं को एक दूसरे से बड़ा साबित करने के लिए लड़ाई हो रही थी।

2. लड़ाई होते देख राजा ने क्या निर्णय लिया?
उत्तर- लड़ाई होते देख राजा ने चारों से एक-एक कर उनके बड़े होने का कारण पूछने का निर्णय किया।

3. भूख ने स्वयं को बड़ा कहने के पीछे क्या तर्क दिया?
उत्तर- भूख ने यह तर्क दिया कि उसी के कारण घर में चूल्हे जलते हैं, पकवान बनते हैं, थाल सजते हैं। जब वे मुझे थाल सजाकर देते हैं तो मैं खाती हूँ।

4. प्यास कब और कैसे हार गई?
उत्तर- प्यास को प्यास लगी। उसने सब जगह पानी ढूँढा। पानी न मिलने पर लाचार होकर उसने एक डबरे से पानी पिया। इस कारण वह हार गई।

5. आशा ने स्वयं को सबसे बड़ा कैसे सिद्ध किया?
उत्तर- कहीं भी आशा की किरण दिखाई न देने पर आशा एक गरीब कुम्हार के घर पहुँची। उसने देखा कि कुम्हार की आशा थी कि एक दिन वह बड़ा आदमी बनेगा। अतः आशा ने कुम्हार के घर रहकर उसे आशा दी और स्वयं को बड़ा सिद्ध किया।

6. अंत में राजा का निर्णय क्या रहा और क्यों?
उत्तर- राजा ने आशा को बड़ा बताया क्योंकि भूख को भोजन की, प्यास को पानी की और नींद को बिस्तर या धरती की ही तो आशा रहती है इसलिए आशा बड़ी है।

<u>व्याकरण</u>

सर्वनाम

परिभाषा :- संज्ञा की जगह पर प्रयोग होने वाले शब्द **सर्वनाम** कहलाते हैं।
सर्वनाम के छह भेद होते हैं-

1.पुरुषवाचक सर्वनाम	2.निश्चयवाचक सर्वनाम
3.अनिश्चयवाचक सर्वनाम	4.प्रश्नवाचक सर्वनाम
5.संबंधवाचक सर्वनाम	6.निजवाचक सर्वनाम

1. पुरूषवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले या अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं, उन्हें पुरूपवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- **मैं, हम-** वक्ता द्वारा खुद के लिए
तुम, आप- सुनने वाले के लिए
यह, वह, ये, वे- तीसरे व्यक्ति के लिए

2. निश्चयवाचक सर्वनाम- वे सर्वनाम जो किसी व्यक्ति या वस्तु के बारे में निश्चित जानकारी देते हैं, वह निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे - यह **मेरी** माँ हैं।

उसने खाना खा लिया हैं।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम- ऐसे सर्वनाम जो किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं कराते वह अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे- घर से **कोई** मुंबई जा रहा है।

बगीचे में **कुछ** फूल है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम- ऐसे सर्वनाम शब्द जो प्रश्न पूछने के काम आते हैं, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे- आप **कहाँ** रहते हो?

तुम यहाँ से **क्यों** जा रहे हो?

5. संबंधवाचक सर्वनाम - वे सर्वनाम शब्द जो वाक्य में आने वाले दूसरे सर्वनाम शब्दों से जुड़े होते हैं, उन्हें संबंधवाचक सर्वनाम शब्द कहते हैं।

जैसे - **जो** करेगा **वो** भरेगा ।

6. निजवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग काम करने वाला व्यक्ति अपने लिए करता है, वे निजवाचक सर्वनाम शब्द कहलाते हैं।

जैसे - मैं मेरा काम **स्वयं** करुँगी।

मैं **खुद** से खाना बना लुंगी ।

****